महत्वपूर्ण एवं खास

बेरोजगार युवकों के लिए स्वरोजगार कैम्प 10 को

रायपुर (आरएनएस)। जिला रोजगार केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने 10 जून को पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में 11 बजे से 2 बजे तक रोजगार शिविर आयोजित है। जिसके माध्यम से निजी क्षेत्र के माँ आशा आर्गेनिक फारमिंग फाउंडेशन एवं एलक्सर कन्सेल्टेंसी प्रा.लि. मि. द्वारा न्यूनतम 8वी से स्नातक उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती वेटर, टेलिकॉतर, हैल्पर, टेक्निशियन सोलर टेक्निशियन एवं डीएमएस / सेल्स एक्जिक्यूटिव के 75 से अधिक पदों पर भर्ती की जावेगी। जिसके लिए न्यूनतम 10 हजार से 14 हजार 500 रुपये तक वेतनमान निर्धारित है। रोजगार अधिकारी ने बताया कि, रोजगार शिविर में सम्मिलित होने योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि एवं स्थल पर अपने बायोडाटा/आधार कार्ड एवं शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता के प्रमाण पत्रो की छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते हैं।

रेल यात्रियों की जेब पर अब नहीं पड़ेगा भार : छत्तीसगढ़ की 138 ट्रेनों से हटाया गया स्पेशल का दर्जा

रायपुर (आरएनएस)। रेलवे ने 138 ट्रेनों का स्पेशल का दर्जा समाप्त कर दिया है। इनमें छत्तीसगढ़ और यहां से गुजरने वाली पैसेंजर और लोकल ट्रेनें शामिल है। स्पेशल (विशेष) का दर्जा समाप्त होने से रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब उन्हें इन ट्रेनों में सफर करने के लिए ज्यादा किराया देना नहीं पड़ेगा। बता दें कि कोरोना काल के दौरान रेलवे ने ज्यादातर ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन का दर्जा दे दिया था। इसकी वजह से इन ट्रेनों का किराया बढ़ गया था। बीते 4 साल के दौरान लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनों को फिर से सामान्य ट्रेनों की श्रेणी में ला दिया गया है, लेकिन पैसेंजर ट्रेनें अब भी स्पेशल की श्रेणी में ही थी। अब रेलवे ने 1 जुलाई से इन ट्रेनों का भी स्पेशल का दर्जा समाप्त करने का निर्णय लिया है।

दो सूने मकान से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर (आरएनएस)। बीती रात स्वास्तिक पार्क भूरकोनी स्थित दो सूने मकानों का ताला तोडक़र अज्ञात चोर ने नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भूरकोनी निवासी प्रार्थी कृष्णचंद त्रिवेदी 43 वर्ष और प्रशांत सिंह कृष्णकांत 29 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि दोनों का मकान आसपास में है। बीती रात अज्ञात चोरों ने दोनों के सूने मकान का ताला तोडक़र अंदर प्रवेश किया और कृष्णचंद के घर से चोरों ने करीब 6 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। वहीं आरोपियों ने प्रशांत सिंह के मकान से नकदी 15 हजार सहित 1 लाख 60 हजार रुपए के जेवर पार कर दिए। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चोरी करने वाले दो युवक के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। सड्डू स्थित सफायर ग्रीन कालोनी में रखे 7 नग चेम्बर फ्रेम को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष अजीत 45 वर्ष आमासिवनी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि सड्डू स्थित सफायर ग्रीन कालोनी में रखे सेफ्टी चेम्बर फ्रेम 7 नग को आरोपी रूबि लाल कोसले एवं फागू लाल सोनवानी ने पार कर दिया। चोरी गए चेम्बर की कीमत करीब 14 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में विधानसभा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 379,34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बोरर का प्रकोप: बीमारी की जद में आ चुके साल के 923 पेड़ कटेंगे

- कीट प्रकोप से कट चुके 497 पेड़, 426 पेड़ों को काटने की तैयारी
- केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय से मिली अनुमति

कोरबा । आरएनएस

जिले में बालकों के सघन वन क्षेत्र में साल पेड़ पर बोरर का प्रकोप दो साल से बढ़ता जा रहा था। इसकी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार विभागीय अधिकारियों ने बीमारी की जद में आ चुके 923 पेड़ों को कटने की केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय से अनुमित मांगी। अब तक विभाग ने 497 पेड़ों की कटाई की है। जल्द पूरी तरह सूख चुके शेष 426 पेड़ों की कटाई की जाएगी, ताकि जंगल को सुरक्षित रखा जा सके। कट चुके पेड़ों की जगह मे दोगुना साल पौधा मानसून के दौरान रोपण करने का निर्णय वन विभाग ने किया है।

वन क्षेत्रों पाया जाने वाला साल वृक्ष पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्रमुख माना जाता है। बालको, कोरबा वन परिक्षेत्र में यह बहुतायत संख्या में पाई जाती है। पिछले दो साल में पेड़ों में आ रही साल बोरर की बीमारी ने वन अमले की चिंता बढ़ा दी। केशलपुर के आसपास भारी संख्या में साल के सूखे पेंड़ देखे जा सकते हैं। ये वृक्ष मौसमी प्रभाव से नहीं सूखे हैं। दरअसल हरे भरे जंगल में नजर आने वाले सूखे पेड़ों में बोरर का प्रकोप बढ़ता जा रहा था। तेजी से बढ़ रही बोरर कीट ने वन अफसरों की चिंता बढ़ा दी। समस्या निराकरण के लिए 1200 से अधिक पेड़ को चिन्हांकित किया गया। बोरर कीट को नष्ट करने दवा का छिडक़ाव भी किया गया। पेड़ों के उन हिस्सों को ब्लाक किया गया, जहां से बोरर कीट ने प्रवेश किया था। जिससे लगातार बढ़ रहे बोरर पर अंकुश तो लगा लिया गया, लेकिन पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। बीमारी को रोकने के लिए ठोस पहल जरूरी था। लिहाजा वर्ष 2022-23 में कोरबा वन मंडल के तत्कालीन डीएफओ प्रियंका पांडेय ने 923 पेड़ों की कटाई के लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को भेज दिया था। वन अफसरों की लगातार प्रयास के बाद मंत्रालय ने पेड़ काटने अनुमति प्रदान कर दिया है। इसके साथ ही वन विभाग ने पेड़ों की कटाई भी शुरू कर दी है। मानसून से पहले सूख चुके सभी पेड़ों की कटाई पूरी कर ली जाएगी। खास बात यह है कि कट चुके पेड़ों की तुलना दोगुने संख्या में पौधे लगाए जाएंगे। बताना होगा कि वन विभाग की ओर से प्रति वर्ष नर्सरी तैयार कर वन क्षेत्रों में पौधों की रोपणी की जाती है। लक्ष्य से दोगुनी संख्या में पौधों की रोपणी की जाती है ताकि कुछ पौधे नष्ट हो जाने के बाद भी वन क्षेत्र संरक्षित रहे।

वन विभाग के अधकारियों की मानें तो साल वृक्ष की उम्र सामान्य तौर पर एक हजार वर्ष होता है, लेकिन कोरबा वन मंडल के सतेंरगा मे 14 सौ साल पुराना साल वृक्ष है। जिसकी ऊंचाई 28 मीटर व गोलाई 25 फीट है। इस राज्य का सबसे बड़ा वृक्ष माना जाता है। इसी तरह कोरबा वन मंडल के ही मातमार के साल वृक्ष को दूसरा सबसे बड़ा पेड़ माना जाता है। बताया जा रहा है बालको वन परिक्षेत्र के केशलपुर जंगल में बोरर से प्रभावित वृक्षों की कटाई की गई है. इस दौरान दो प्रकार के लकड़ी का संग्रहण किया जा रहा है। जिसमें जलाऊ व इमारती लकड़ी शामिल हैं. विभाग द्वारा जलाऊ लकड़ी को कोरबा तो इमारती लकड़ी को कासनियां डिपो भेजा जा रहा है.

बोरर एक प्रकार का कीट है, जो एक बार में 300 से 500 अंडा देता है. साल बोरर मानसून समाप्त होने के बाद पेड़ पर लगता है, जो उम्र भर पेड़ पर रहता है. एक हरे भरे पेड़ को 1500 कीट घुन की तरह चट कर जाते हैं. बोरर का समाप्त करने का एकमात्र उपाय पेड़ की कटाई है, अन्यथा यह साल पेड़ में तेजी से फैल जाता है। केशलपुर के आसपास बोरर की जद में आ चुके 923 वृक्ष को चिन्हांकित किया गया था। मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद 497 पेंड़ो की कटाई की जा चुकी है। शेष पेड़ों की भी कटाई की जाएगी। कटाई होने वाली पेड़ों की जगह में नए पौधे वन क्षेत्रों में तैयार किए जाएंगे। वन विभाग की ओर से नर्सरी तैयार की जा रही है।

40 से अधिक छात्रों की संख्या होने पर सीबीएसई स्कूलों में शुरू करने होंगे अतिरिक्त सेक्शन

कोरबा । आरएनएस

सीबीएसई से संबद्धता लेने वाले स्कूल प्रत्येक कक्षा में 40 से अधिक बच्चों को एडमिशन नहीं दे सकते। 40 से अधिक बच्चे होने पर सेक्शन बढ़ाने के लिए अनुमति लेनी है। सीबीएसई ने दो साल पहले तीन सत्रों के लिए अपवाद के तौर पर तबादले या अन्य विशेष परिस्थितियों में 45 बच्चों को प्रवेश देने की छूट दी थी, लेकिन इसके लिए बकायदा पोर्टल पर आवेदन कर अनुमति लेनी थी।

कई निजी स्कूलों में अधिक संख्या में बच्चों को बिठाया जाता है। बता दें कि समग्र शिक्षा ने देश में शिक्षा नर्सरी- केजी के स्तर पर 20-1, प्राइमरी स्तर पर 30-1 और मिडिल स्कूल के स्तर पर 30-1 का छात्र-शिक्षक अनुपात निर्धारित किया है। वहीं हर स्तर पर वर्ष 2025 तक 20-1 के अनुपात का लक्ष्य तय किया गया है। स्टूडेंट्स को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों से संबद्धता देता है। सीबीएसई ने संबद्धता देने के लिए मापदंड तय किए हैं, इसमें समय-समय पर जारी किए जाने वाले गाइडलाइन की जानकारी सभी स्कूलों को दी जाती है। सीबीएसई ने स्पष्ट कहा है कि संबद्धता लेने और उसे नियमित करने के लिए सभी नियमों और शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा।

सीबीएसई ने प्रत्येक कक्षा में छात्रों की संख्या को लेकर सख्त नियम तय किए हैं। सीबीएसई के संबद्धता नियम 2018 के नियम 4.8 के अनुसार स्कूल प्रत्येक कक्षा में सिर्फ 40 बच्चों को ही प्रवेश दे सकते हैं। इस नियम के अनुसार प्रत्येक छात्र के लिए फर्श पर एक वर्गमीटर जगह होनी जरूरी है। इसे लेकर सीबीएसई ने कई बार सर्कुलर भी जारी किए हैं, लेकिन अधिकांश स्कूल इस नियम की अनदेखी करते हैं। स्कूल संबद्धता के लिए निर्धारित नियम और शर्त पूरी करने और बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की स्थिति में 40 से अधिक बच्चों के प्रवेश की जरूरत पर सेक्शन बढ़ाने आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए 30 जून तक सीबीएसई के सरस पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है।

सीबीएसई ने 2 अगस्त 2023 को एक पत्र जारी किया था, इसके तहत तबादले पर आने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के बच्चों को मिड सेशन में एडमिशन देने की स्थिति में ही 45 बच्चे की सीमा बढ़ाने की छूट दी थी। ये अगले तीन शैक्षणिक सत्रों यानी (सत्र 2023-2024, 2024-2025 और 2025-2026) में जूनियर कक्षाओं में लागू होना था, लेकिन स्कूलों को इसके तत्काल बाद अगले सत्र से 40 बच्चों की सीमा का पालन करना था। सीबीएसई के पत्र के अनुसार अगले तीन शैक्षणिक सत्रों में अपवाद के तौर पर प्रत्येक सेक्शन में 45 बच्चों को एडमिशन देने पर विवेक से निर्णय लेने को कहा गया था। यह भी तबादले पर आने वालों के बच्चों और विशेष परिस्थितियों में ही लागू होना था, लेकिन अधिकांश स्कूल मनमानी पर उतर आए हैं।

हितग्राही महिलाएं आधार और पैन कार्ड को बैंक खाता से जुड़वाएं : कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कई योजनाओं के लाभ नहीं मिलने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिले के सभी नागरिकों और हितग्राहियों को कहा कि वे सरकार के किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए यदि बैंक खाता नही है तो सबसे पहले बैंक खाता खुलवाएं और आधार और पैन कार्ड का दस्तावेज बैंक खाता से जोडकर रखें।

ऐसी हितग्राही महिलाएं या व्यक्ति जिन्होंने किसी योजना के लाभ के लिए फॉर्म तो भर दिया है लेकिन उसके खाता में भुगतान नहीं हो रहा तो ऐसे व्यक्ति या महिलाएं अपने बैंक खाता से अपना आधार कार्ड और पैन कार्ड को जोड़ने का काम (केवायसी) करा लें। केवायसी कराने के बाद उनके बैंक खाता में लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी प्रकार कई किसान अपने भूमि (लैंड सीडिंग) और आधार कार्ड का सीडिंग नही कराएं हैं वो भी दोनों आधार और लैंड सीडिंग करा लें ताकि संबंधित योजनाओ का लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी भी नागरिक का केवायसी अपडेट रहेगा तो बिना रुकावट के उसको मिलने वाला लाभ उसके बैंक खाता में ऑनलाइन भुगतान होगा।

एनएच के अधूरे निर्माण कार्य को पूरा कराने की मांग

कोरबा । आरएनएस

जिले में कोरबा से चांपा के मध्य निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। कई स्थान पर अभी भी निर्माण अधूरा होने के कारण इस रास्ते से गुजरने वाले खासकर छोटे-बड़े वाहनों के चालकों और ग्रामवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मानसून अब नजदीक ही है और ऐसे में बरसात शुरू होने से पहले कार्य में गति नहीं लाई गई तो पूरी बरसात समस्या और बढ़ी रहेगी। जिला प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण अथॉरिटी को संज्ञान लेकर कार्य की गति बढ़ानी चाहिए।

कलेक्टर को पत्र लिखकर कोरबा-चांपा राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-149बी के अधूरे निर्माण को अविलंब निर्माण कराने की मांग की है। कोरबा-जांजगीर-चांपा के मध्य विगत वर्षों से राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-149बी का निर्माण हो रहा है। लंबे समय से ग्राम पताढ़ी, सरगबुंदिया, बरपाली, मड़वारानी तथा कोथारी के मुख्य चैराहे में निर्माण कार्य अधूरा है, जिसके कारण आए दिन सडक दुर्घटना होते रहती है। विगत कुछ दिन पूर्व इसी वजह से एक व्यक्ति की सडक हादसे में मौत हो गई थी। पिछले सप्ताह ग्राम पताढ़ी के पास लैंको पावर प्लांट के मुख्य गेट के सामने लगभग 5 घंटे तक भारी वाहनों के कारण जाम लग गया था, जिससे आम राहगीरों व बीमार लोगों को आने-जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। आने वाले 15 दिनों में छत्तीसगढ़ में मानसून आने की संभावना है और अगर बरसात के पूर्व अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण नहीं कराया गया तो आम जनता की मुश्किलें काफी बढ़ जाएगी। अधिवक्ता दिलीप मिरी ने मांग की है कि बरसात के पूर्व अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण करवाया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

आत्मा और परमात्मा का मिलन ही राजयोग : ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी

रायपुर । आरएनएस

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने कहा कि आत्मा का सम्बन्ध परमात्मा से जोडऩा ही राजयोग कहलाता है। चूंकि परमात्मा ही गुणों और शक्तियों का अविनाशी स्रोत हैं। अत: उनकी याद से हमें न सिर्फ सच्ची खुशी मिलती है वरन् हमारे जीवन से रोग और शोक भी मिट जाते हैं। सभी योगों में श्रेष्ठï होने के कारण ही इसे राजयोग कहा जाता है।

ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित आओ खोलें खुशियों के द्वार राजयोग अनुभूति शिविर के अन्तर्गत भारत का प्राचीन राजयोग विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा कि गीता में वर्णित भारत का प्राचीन राजयोग सभी योगों में श्रेष्ठ है। योग का शाब्दिक अर्थ होता है जोड़ अथवा मिलन। इसका विपरीत शब्द है वियोग अर्थात बिछुडऩा। मन और बुद्धि से परमात्मा को याद करना ही सच्चा योग है।

अपने प्रेरक उद्ïबोधन में उन्होने कहा कि राजयोग में शरीर को कष्ट नहीं देना है। आराम से बैठकर परमात्मा को याद करो। शुरू में मन एकाग्र नहीं होता है। मन में अनेक ईधर-उधर के ख्याल आएंगे लेकिन निराश होकर छोड़ नहीं देना है। पहले दो ढाई मिनट मेडिटेशन से शुरूआत करिए। धीरे-धीरे मन शान्त होने लगेगा। आपके विचार कम होते जाएंगे और योग में बहुत अच्छा अनुभव करने लगेंगे। योग में बैठकर अपने मित्र सम्बन्धियों सहित परिवारजनों को शुभभावनाओं के प्रकम्पन भेजें इससे हमारे सम्बन्ध भी सुधरते हैं।

ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने योग के लिए ब्राह्म मुहुर्त को सबसे उपयुक्त समय बतलाते हुए कहा कि इस समय सभी लोग नींद में होते हैं इसलिए वायुमण्डल एकदम शान्त होता है। ऐसे समय परमात्मा को याद करने से कनेक्शन जल्दी जुट जाता है। राजयोग हमें परमात्मा के निकट ले जाता है।

उन्होंने आगे बतलाया कि राजयोग में परमात्मा का सत्य परिचय जान लेने के उपरान्त उन्ही बातों को याद करते हुए मन से परमात्मा को सम्बन्धपूर्वक याद किया जाता है। धीरे-धीरे एक अवस्था ऐसी प्राप्त होती है जब बुद्धि एकाग्र होने लगती है तथा संकल्प स्वत: ही कम हो जाते हैं। इस अवस्था में हमें आत्मा और परमात्मा के गुणों की अर्थात सुख, शान्ति, आनन्द, प्रेम, पवित्रता और शक्ति की दिव्य अनुभूति होने लगती है। कल से ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी के सान्निध्य में एडवान्स राजयोग शिविर प्रारम्भ होगा।

नेपाल की धरती पर केतन सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय शास्त्रीय नृत्य में जीता अवार्ड

कोरबा । आरएनएस

लर्निंग रीयलम इंटरनेशनल फाउंडेशन एजुकेशन ट्रस्ट व क्लासिक क्लचर सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित क्लासिक इंटरनेशनल क्लासिकल डांस फेस्टिवल एंड अवार्ड सेरेमनी 2024 काठमांडू नेपाल में संपन्न हुआ।

भाजपा किसान मोर्चा कोरबा के जिलाध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा चुलेश्वर राठौर व माधुरी सिंह राठौर समाज सेविका व भाजपा नेत्री के सुपुत्र केतन सिंह राठौर को कथक नृत्य में उनके मनमोहक शानदार प्रदर्शन के लिए क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय युवा नर्तक सम्मान से नारायण काजी श्रेष्ठ उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री नेपाल सरकार, महान श्याल्पा रिनपोछे जी बौद्ध धर्म गुरु (तिब्बतन लामा), डॉ प्रो. नीता गहरवार कुलसचिव इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ भारत के द्वारा सम्मानित किया।

केतन सिंह राठौर कोरबा जिले हरदी बाजार छिंदपुर के निवासी है तथा वर्तमान में बैचलर आफ परफॉर्मिंग आर्ट्स तृतीय वर्ष इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में अध्ययनरत है। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर से बैचलर आफ टेक्नोलॉजी करने के पश्चात कथक नृत्य के क्षेत्र में अपना कदम रखा और निरंतर गांव व जिले का नाम रोशन कर रहा है। व छत्तीसगढ़ व अन्य प्रांत के साथ-साथ विदेश में भी विभिन्न आयोजनों में अपना नित्य प्रदर्शन किया है। फरवरी माह में आयोजित खजुराहो महोत्सव में कथक वल्र्ड रिकॉर्ड में प्रतिभागी बनने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ था। नेपाल के धरती पर इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में विशेष रूप से शिवराज पंत फाउंडर एंड चेयरमैनएल.आर.आई. एजुकेशन ट्रस्ट काठमांडू नेपाल, स्वजन रघुवंशी फाउंडर क्लासिक कल्चर सेंटर काठमांडू नेपाल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शिवाली सिंह बैस, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शेख मेदिनी होम्बल इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ भारत आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नंo 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु० सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अत: शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

वन अधिकार पट्टा सहित अन्य मांगों को लेकर गोंगपा करेगी आंदोलन

- एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, अवैध शराब की बिक्री पर लगे रोक
- कर्मचारी शांति पांडेय को निलंबित किया जाए

कोरबा । आरएनएस

वन अधिकार पट्टा वितरण समेत अन्य समस्याओं का निराकरण करने के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पोड़ी उपरोड़ा एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने अपने ज्ञापन में कहा है कि एक सप्ताह के भीतर समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में वन अधिकार पट्टा का फार्म भराया गया था, उन्हें वन अधिकार पट्टा वितरण किया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में वन अधिकार पट्टा का फार्म भराया जाए। हाथी प्रकरण में उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही कर्मचारी शांति पांडेय को निलंबित किया जाए।

उन्होंने कहा कि रेल कारिडोर गेवरा- पेंड्रारोड एवं नेशनल हाईवे 130 का लंबित मुआवजा भुगतान किया जाए। राजस्व विभाग में तहसीलदार, पटवारी, तहसील कार्यालय का लिपिकों द्वारा फौती नामांतरण, बंटवारा के नाम से मोटी रकम वसूल किया जा रहा है, इसे तत्काल बंद किया जाए। विद्युत विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर लगाने के नाम से पैसा मांगने पर रोक लगाने, वन विभाग द्वारा आदिवासी किसानों व ग्रामीणों को उनके निस्तार के कार्य गिट्टी, मिट्टी, सूखी लकडी परिवहनों के कार्य में अवैध वसूली कर प्रताडित किया जा रहा है, उस पर रोक लगाया जाना चाहिए। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि रेत की रायल्टी नहीं होने के कारण किसी भी व्यक्ति को निस्तार के कार्य में पुलिस व वन विभाग द्वारा वसूली पर रोक लगाने के साथ ही लेन-देन कर अवैध रूप से परिवहन के कार्य को बंद किया जाना चाहिए।

अवैध शराब की बिक्री रोक लगे। केंदई वन परिक्षेत्र में पदस्थ रेंजर अभिषेक दुबे द्वारा ग्राम कापानवापारा में आदिवासी महिला व पुरूष के साथ जातिगत गाली-गलौज व मारपीट करने पर केंदई वन परिक्षेत्र से हटाया जाए। साथ ही चोटिया से बनिया पंहुच मार्ग व पोडी उपरोड़ा से माचाडोली रोड का कार्य प्रारंभ कराने की मांग रखी है।

इस दौरान गोंगपा के जिलाध्यक्ष गिरजा शंकर कोराम, ब्लाक अध्यक्ष शिवराम सिंह मरकाम, विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मरकाम, विक्रम सिंह मरकाम, सुनील कुंवर ने कहा है कि उपरोक्त समस्याओं का निराकरण सात दिवस के भीतर नहीं होने पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने 18 जून को उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा।